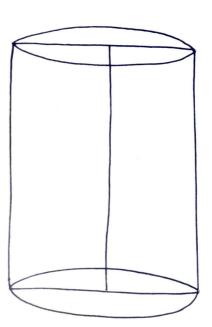
# \* CIFA and (Right Circular Cylinder)

यत्रीय खेलन वह होस है जिसका एक पाइवि यक्त हो तथा शेष दो सर्वांगसम शतीय अनुप्रस्थ परिचेषद हों।

 चेता में कुल तीन सतहें होती है (i) अपर और नीचे दो सर्वांत्रसम प्रताकार सतहे तथा बीच का धेरा एक वक्र सतह है।

पटि (Curved surface) कहते ही

(ii) दीनो वृत्ताकार सतहों तथा वक्र सतह की मिलाकर पूर्ण पृत्र कहलाता है।



### \* Ty (formula):-

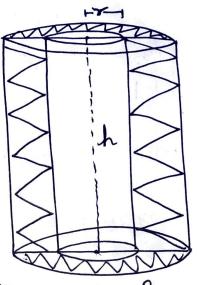
- (i) बेलन का वक्रयुव्ह का क्षेत्र = 2 Noh
- (ii) जैलन का आयतन = 12h
- (iii) केलन का पूर्ण प्रक का हैंग्ठ = 212 + 212h
- (iv) बेलन का वक्र पृष्ट का क्षेत्र = उनाधार की परिमाप x क्रेन्यार



## \* स्वोखने केलन (Hallow cylinder):-

बाहरी त्रिज्या = R भीतरी त्रिज्या = ४ ॐचार्च = L

ं वेत्मन में प्रयुक्त छातु ही मौटार्व =R-Y बाह्य १९५५ छा के = 217Rh आन्तरिक १९५५ छा क्षेण = 2118h



ं खीरवर्षे जेत्यन में क्छ प्रयुक्त धातु चा क्षे

= 21Rh - 21rh

= 2nh (R-r)

रवोरवले जेलन के पदार्घ का आयतन = MRh-M2h = Mh(R2-82)

व्योखित केलन का पूर्ण खुळ का क्षेत्र =  $2\pi Rh + 2\pi rh + 2(\pi R^2 - \pi r^2)$ =  $2\pi h(R+r) + 2\pi(R^2 - r^2)$ =  $2\pi h(R+r) + 2\pi(R+r)(R-r)$ =  $2\pi(R+r)(h+R-r)$ 

- Note! (i) शम्ब वृतीय बेलन की त्रिप्या कर्मा करने पर वक्रपूर्य का क्षेठ कराना तथा आयतम् के गुना हो जायेगा।
  - (ii) अम्ब वतीय केलन की ऊंचार n गुना करने पर वह व्रख का क्षेत्र n गुना क्या आयान n गुना हो जालगा।

### Exercise - 13.2

(1) अन्य द्वीय जेलन के वक्र एक का क्षेत्रफल = 880m² वेलन की ज्ञेंपार्ट = h=140m

ं अलम का @ वक्र मुक्ट का क्षेत्र = 88 cm2

8=1c.m

ं जेलन हे आधार का छपाटा = 1x2 = 2 cm

(२) विलेन का क्यास = 140 cm  $\sigma = \frac{140}{2} = 70 \text{ cm}$  अंचार्ट = h = 100 cm

ं टंकी के लिए आवश्यक धातु की नादर का क्षेठ = खेलन है इल एक महीत

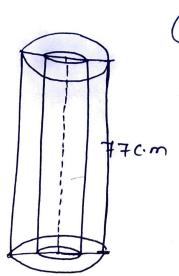
$$=2\times\frac{22}{7}\times\frac{10}{70}\times(70+100)$$

(15

3) बेलनाकार पाइप की आन्तरिक क्यास = 4 cm

" " AIECTOUICH = 4.4 c.m R = 2.2 c.m

और पार्रप की लम्बार्च = 77 c.m



= 968 c.m2

(i) बेलनाकार पादप का आन्तरिक वक्रप्रविध क्षेठ = 2184 = 2x 22 x 2x 277 cm²

(ii) बेलनाकार पारप का बाह्य वक्रप्रकीय क्षेत्र = 2 x Rh
= 2 x 2 x 2 · 2 x 77 c·m
= 1064 · 8 c·m²

(iii) पाइप के दोनो किनारों के व्यक्षमों का क्षेत्र =  $2\pi (R^2 - r^2)$ =  $2x \frac{22}{7} (2 \cdot 2)^2 - 2^2$ =  $\frac{44}{7} (4 \cdot 84 - 4)$ =  $\frac{44}{7} \times 0.12$ =  $5 \cdot 28 \cdot 10^2$ 

ं पार्रप का सम्पूर्णपृष्ठ का देंग = (1064.8+968+5.28) em² = 2038.08 cm² Am

(4)

$$h = 120 \text{ cm}$$

$$= \frac{120}{100} \text{ m}$$

$$= 1.2 \text{ m}$$

- 0.42 m

ं नोमर का वक्रपुष्ठ का क्षेठ = 2 मर्ग

$$=2\times\frac{22}{7}\times\frac{0.06}{42}\times1.2 \text{ m}^2$$

ः रोलर के 1 - धक्कर (भगाने से समतल किये गये भेदान खिल

 $= 3.168 \, \text{m}^2$ 

" 1 m समतल म्हिन का स्वर्म = 0.30 (क

ं 1584 m² समतल करने का खर्म = 0.30x1584 क

= 475.20 50

#### खेलनाकार क्रांच का क्यास = 50 cm

$$8 = \frac{50}{2} = 25 \text{ cm}$$

$$= \frac{25}{100} \text{ m}$$

$$= \frac{1}{4} \text{ m}$$

h= 3.5 m

लेलना कार व्यंभे का वक्र प्रवरीय क्षेत = 2118h

$$= 2 \times \frac{22}{7} \times \frac{1}{4} \times 3.5$$

$$= \frac{2911}{4 \times 2} \times \frac{3.8}{10} \times \frac{3$$

(6) माना कि जेलन की ऊँचाई = h m

$$a = \frac{10}{4} \text{ m}$$

जिलम का वक पृष्ठीय क्षेच = 4.4 m2

$$2 \times \frac{22}{7} \times \frac{7}{10} \times h = \frac{44}{10}$$

$$\frac{44}{10} \times h = \frac{44}{10}$$

वित्राकार कुँ का आन्तरिक क्यास = 3.5 m

$$x = \frac{3.5}{2}m$$

$$= \frac{3.5}{2 \times 10^{2}}m$$

$$= \frac{7}{4}m$$

ः गहराई = क्रेयाई = h = 10क

(i) व्याकार डेर का आन्तरिक वक्र एक्टीप क्षेव = 2178h

$$= 2 \times \frac{22}{3} \times \frac{1}{4} \times \frac{15}{m^2}$$

$$= 110 \text{ m}^2 \text{ Any}$$

18.

(ii) वक्र १००० पर त्लास्टर् कराने का व्यय = ₹40×110

(8) बेलनाकार पार्रप का ठ्यास = 5cm

$$7 = \frac{S}{2} cm = \frac{8^{2.5}}{200} = 0.025m$$

: वेलना कार् निया का कुल प्राष्ट्रीय केंग = 217h

$$= 2 \times \frac{22}{7} \times 0.025 \times 28 m^2$$

$$= 2x \frac{22}{7} \times 2.1 \times 4.5 \text{ m}^{2}$$

$$= \frac{44}{7} \times \frac{21}{10} \times \frac{45}{10} \text{ m}^{2}$$

$$= \frac{5940}{100} \text{ m}^{2}$$

$$= 59.4 \text{ m}^{2}$$

$$= 2x \frac{22}{7} \times 2.1 (4.5 + 2.1)$$

$$= \frac{44}{7} \times \frac{27^{3}}{10} \times 6.6$$

$$=\frac{132}{10}\times\frac{66}{10}$$
 m<sup>2</sup>

$$=\frac{8712}{100}$$
 m<sup>2</sup>

$$= 87.12 \, \text{m}^2$$

माना कि बेलनाकार टंकी बनवाने में प्रयोग की गई इत्पात छ क्षेट = A m2

- AUZ ESE SEUTA ST GO = 12 X A m2 - A m2

अतः टंको में भगा हुआ हुल इटमात = (A-A) m²

$$=\left(\frac{12A-A}{12}\right)m^2$$

 $-\frac{11A}{12}m^2$ 

लेकिन,

9 11A=87.12X12

$$A = \frac{4.32}{87.12 \times 12}$$

- 7.92x12

= 95.04 m<sup>2</sup>

(10) : साजावटी कपड़े से अने भैपसेड का आकार खेलनाकार है।

े बेलनाकार लेंपसेंड का क्यास = 20 cm ~ = 20 = 10 cm

ं. अन्यार्ट = h = 300m

फिर, फ्रेम के ऊपर और नीचे मोड़ने के लिए दोनो और 2.5 cm

ं रुपड़ा सहित भैंपसेंड की ऊँपार्व = H = 30+2.5+2.5 = 30+5 -35 C·M

े लैम्प सेड को इकने के लिए आवश्यक सजावटी कपरे का क्षेठ

= 218H = 2×22 × 10×35

= 2200 cm<sup>2</sup>

(11) बेलनाकार कलमदान की त्रिज्या = v = 3cm अन्यार = h = 10.5 cm

: कलम्दान ऊपर से खुला हुआ है।

· प्रत्येक कलमदान के जाते का क्षेण = 2116h+1182

= 1 (2h+2)

 $=\frac{22}{7}$  x3 (2x10·S+3)

 $=\frac{66}{3}\times(21+3)$ 

= 66 x24 cm2

-: 35 कलमदानों के जाते का खेंग = 35 x 66 x 24 cm = 5x66x24 = 7920 c.m/